भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1310

(जिसका उत्तर सोमवार, 08 दिसंबर, 2025/17 अग्रहायण, 1947(शक) को दिया जाना है)

प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग द्वारा दर्ज किए गए मामले

1310. श्री राधाकृष्ण:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2014-15 से प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) और आयकर विभाग(आईटी) द्वारा दर्ज किए गए मामलों की राज्यवार संख्या कितनी है;
(ख) वर्ष 2014-15 से अब तक अभिकरणों द्वारा दायर किये गये आरोप-पत्रों, प्रस्तुत की गई क्लोजर रिपोर्टों, पूरी की गयी जांचों की संख्या कितनी है और उन मामलों की संख्या कितनी है जिनमें सुनवाई अभी तक शुरु नहीं हुई है तथा दोषसिद्धि के परिणामस्वररूप वापस लिए गए/निरस्त किए गए मामलों की राज्य-वार और वर्ष-वार संख्या कितनी है;
(ग) वर्ष 2014-15 से उक्त मामलों के संबंध में उपरोक्त अभिकरणों द्वारा राज्य-वार और वर्ष-वार कितनी छापेमारियां की गई हैं; और
(घ) वर्ष 2014-15 से अब तक उक्त मामलों में शामिल, आरोपी, विचारण के अधीन, दोषी और बरी हुए लोगों की राज्य-वार और वर्ष-वार संख्या कितनी है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

(क) से (घ): वर्ष 2014-15 से अब तक प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के अंतर्गत अन्वेषण शुरू करने के लिए कुल 6,444 मामले (ईसीआईआर) दर्ज किए हैं। आयकर विभाग ने कुल 13877 अभियोजन मामले दर्ज किए हैं। वर्ष-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग द्वारा वर्ष 2014-15 से वर्ष 2025-26 के दौरान की गई तलाशी और जब्ती की कार्रवाई का ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है। इसके अलावा अभियोजन मामलों का ब्यौरा **अनुलग्नक-III** में दिया गया है।

यह भी बताया गया है कि **राज्य-वार डेटा केंद्रीय रूप से नहीं रखा जाता है**।

*****

अनुलग्नक।

ईसीआईआर और अभियोजन मामलों का ब्यौरा:

वर्ष-वार	दर्ज की गई प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ई.सी.आई.आर.) की संख्या	आयकर विभाग द्वारा दायर अभियोजन मामलों की संख्या
2014-15	181	669
2015-16	110	552
2016-17	187	1252
2017-18	163	4527
2018-19	152	3512
2019-20	557	1226
2020-21	996	173
2021-22	1116	195
2022-23	953	387
2023-24	698	502
2024-25	775	611
2025-26	556 (नवंबर, 2025 तक)	271 (सितंबर, 2025 तक)
कुल	**6444**	**13877**

अनुलग्नक II

<u>तलाशी और जब्ती का ब्यौरा:</u>

वर्ष-वार	प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई तलाशियों की संख्या	आयकर विभाग द्वारा तलाशी लिए गए ग्रुप की संख्या
2014-15	46	545
2015-16	83	447
2016-17	170	1152
2017-18	367	582
2018-19	205	966
2019-20	324	984
2020-21	535	569
2021-22	751	686
2022-23	1441	741
2023-24	2600	1166
2024-25	2317	1437
2025-26	2267 (नवंबर, 2025 तक)	382 (सितंबर, 2025 तक)
कुल	**11106**	**9657**

अनुलग्नक III

<u>प्रवर्तन निदेशालय:</u>

वर्ष-वार	दर्ज की गई अभियोजन शिकायतों की संख्या + पूरक अभियोजन शिकायतों की संख्या	जिन व्यक्तियों/संस्थाओं के खिलाफ अभियोजन शिकायतें + पूरक अभियोजन शिकायतें दर्ज की गई हैं, उनकी संख्या
2014-15	64+4	438+19
2015-16	57+11	351+55
2016-17	99+11	513+44
2017-18	92+19	513+281
2018-19	234+59	1147+312
2019-20	55+28	474+115
2020-21	140+39	1188+164
2021-22	128+46	876+200
2022-23	172+61	1338+363
2023-24	281+100	2789+528
2024-25	333+124	2067+821
2025-26 (नवंबर, 2025 तक)	188+71	1418+390
कुल	**1843+573=2416**	**13112+3292=16404**

दिनांक 01.04.2014 से 30.11.2025 की अवधि के दौरान, पीएमएलए की विशेष अदालतों ने गुण-दोष आधारित धन-शोधन के 56 मामलों में निर्णय दिए हैं, जिनमें से 53 मामलों में 121 अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए दोषसिद्धी आदेश पारित किए गए हैं। तदनुसार, दिनांक 01.04.2014 से 30.11.2025 के दौरान धन शोधन के मुद्दे पर गुण-दोष आधारित कुल मामलों के प्रतिशत के तौर पर दोषसिद्धि दर, यानी कुल मामलों की संख्या जिनमें अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया है, 53/56*100=94.64% है।

<u>आयकर विभाग :</u>

वित्त वर्ष	अभियोजन पक्ष द्वारा दायर किए गए मुकदमों की संख्या	दोषी ठहराए गए मामलों की संख्या	बरी किए गए मामलों की संख्या	वापस लिए गए मामलों की संख्या
2014-15	669	34	लागू नहीं*	लागू नहीं*
2015-16	552	28	18	120
2016-17	1252	16	27	93
2017-18	4527	68	33	130
2018-19	3512	105	49	399
2019-20	1226	49	98	260
2020-21	173	16	53	197
2021-22	195	11	47	495
2022-23	387	69	130	567
2023-24	502	35	183	351
2024-25	611	71	201	561
2025-26 (30.09.2025 तक)	271	20	124	172

वित्त वर्ष	अभियोजन पक्ष द्वारा दायर किए गए मुकदमों की संख्या	दोषी ठहराए गए मामलों की संख्या	बरी किए गए मामलों की संख्या	वापस लिए गए मामलों की संख्या
कुल	**13877**	**522**	**963**	**3345**

टिप्पण: अभियोजन पक्ष द्वारा दायर किए गए मुकदमों की संख्या और दोषसिद्धि, दोषमुक्ति या वापसी से संबंधित आंकड़े प्रत्यक्ष रूप से संबंधित नहीं हैं, क्योंकि दोषसिद्धि, दोषमुक्ति या वापसी अलग-अलग वर्षों में दायर किए गए मामलों से संबंधित हो सकती है।

* इस अवधि के लिए डेटा उपलब्ध नहीं है।